श्री खीरेश्वर महादेव ज्योतिर्लिंग

दैनिक

राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

माता खीरेश्वरी देवी

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, झांसी, एटा,औरैया, अमेठी,बलरामपुर, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 8 अंक 351 | लखनऊ, शनिवार, 13 जुलाई , 2019 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2.00

विश्व जनसंख्या विस्फोट और पर्यावरण के खतरे

डॉ. भरत राज सिंह
महानिदेशक (तकनीकी),
स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेस, लखनऊ

यह तथ्य सर्वविदित है कि विश्व जनसंख्या (अर्थात वर्तमान में रहने वाले मनुष्यों की कुल संख्या) एक सदी के भीतर बहुत अधिक बढ़ गई है। अप्रैल 2019 तक विश्व की जनसंख्या 7.7 बिलियन लोगों की आंकी गई थी। दुनिया की आबादी को 1 बिलियन तक पहुँचाने में मानव इतिहास के 2, 00,000 वर्षों में लग गए; और पिछले 200 वर्षों के भीतर यह 7 बिलियन तक पहुंच गया।

1315-1317 के महा अकाल के अंत और 1350 में ब्लैक डेथ के बाद से यह 370 मिलियन के पास थी। उसके बाद, वैश्विक जनसंख्या में निरंतर वृद्धि होती रही और 1955 और 1975 के बीच जनसंख्या वृद्धि प्रति वर्ष 1.8त्न दर से तथा 1965 - 1970 के बीच उच्चतम वृद्धि 2.1त्न तक बढ़ गई। 2010 और 2015 के बीच वृद्धि दर घटकर 1.2त्न आ गई । अॅनुमान जताया गया है कि आगे मौजूदा 21 वीं सदी के अंत तक इसमें और गिरावट आएगी । हालाँकि, सम्पूर्ण वैश्विक जनसंख्या अभी भी बढ़ रही है और 2050 में लगभग 10 बिलियन (1,000 करोड) और 2100 में 11 बिलियन (1,100 करोड) से अधिक पहुंचने का अनुमान है।

मालूम हो कि 1980 के दशक के अंत में कुल वार्षिक जन्म लगभग 139 मिलियन थी और इसके साल 2011 तक 135 मिलियन के स्तर पर स्थिर रहने की अनिवार्य रूप से उम्मीद थी, क्योकि इसी बीच मृत्यु दर प्रति वर्ष 56 मिलियन थी और 2040 तक प्रति वर्ष बढ़कर 80 मिलियन होने की उम्मीद है। विश्व की जनसंख्या की औसत आयु 2018 में 30.4 वर्ष होने का अनुमान लगाया गया था। यह बहुत ही खतरनाक स्थिति है, जबकि अगले 30 वर्षो के भीतर औसत मृत्यु दर 42.8त्न होगी और पर्यावरणीय खतरे के कारण इसमे और वृद्धि हो सकती है। इस संदर्भ मे विश्व जनसंख्या दिवस जनसंख्या मुद्दों की तात्कालिकता और महत्व पर ध्यान केंद्रित करता है। यह 11 जुलाई 1987 को पहली बार मनाया गया और साल 1989 में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम की तत्कालीन गवर्निंग कांउसिल द्वारा 5 बिलियन ब्याज दर का दिन लागू किया गया था, जिसमे परिवार नियोजन के मानव अधिकार को बनाए रखने का निर्णय लिया गया था। इसके तहत नौ (9) मानकों मसलन गैर भेदभाव, परिवार नियोजन वस्तुओं और सेवाओं की उपयोग, परिवार नियोजन की वस्तुएं और सेवाएं सभी के लिए सुलभ, स्वीकार्य, अच्छी गुणवत्ता, ससूचित निर्णय लेना, एकांत और गोपनीयता, भागीदारी और जवाबदेही के रूप मे प्रस्तुतकर विश्व जनसंख्या नियंत्रण की पहल की गई । परिवार नियोजन के उपरोक्त मानकों को 1987 से शुरू करने से भी, हम अपनी अपेक्षाओं पर विश्व की जनसंख्या को नियंत्रित नहीं कर सके, यह एक विषम स्थिति दर्शाता है। अपनी आवश्यकताओ पर नियंत्रण न करके अपने आराम के लिये, उत्पादन मे वृद्धि और प्रशासनिक मुद्दों की आवश्यकताओ को मुख्य रूप से बढावा देकर पृथ्वी के संसाधनों का शोषण किया है - हाइड्रोकार्बन ईधन, वनों की कटाई, फसलो की भूमि बनाने की वृद्धि, रहने वाले घरों और इसकी आवश्यकता, परिवहन, औद्योगिक क्षेत्रों के विकास ने पर्यावरण को नष्ट कर दिया। अब यही हमारी प्रकृति की रक्षा के लिए ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए चिंता का कारण है, अन्यथा पूरी वैश्विक आबादी, प्रजातियों और अन्य आजीविका, उनके अंत तक के गंभीर परिणामों का सामना कर सकते हैं।

औद्योगिक क्रांतियों के दृष्टिकोण के साथ, कारखानों में रसायनों का उपयोग खतरनाक मात्रा में बढ़ गया है। इसके साथ ही औद्योगिक या आर्थिक उद्देश्यों के कारण वनों की कटाई और प्राकृतिक गैस, तेल और कोयले जैसे जीवाश्म ईंधन के अत्यधिक जलने से वायुमंडलीय कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा 315 पीपीएमवी यानी मात्रा प्रति मिलियन से बढ़कर लगभग 363 पीपीएमवी हो गई है। 1958. ये कुछ प्राथमिक कारण हैं जिनके कारण वातावरण में गर्मी बढ जाती है, जिससे ग्लोबल वार्मिंग होती है।

भविष्य मे, विश्व स्तर पर जलवायु परिवर्तन से होनेवाली विनाशकारी घटनाए जैसे तूफान, भारी वारिश / बाढ़, भूकंप और भारी भूस्खलन के साथ पहाड़ी क्षेत्र मे भारी बर्फबारी / हिमस्खलन आदि का सामना करने के साथ विश्व का जन-मानस भी नुकसान से प्रभावित होगें । उक्त प्रभावो से मानवता भी उच्च जोखिम में होगी, विकास बिखर जाएगा और बचाव का प्रयास उच्च प्राथमिकता प्राप्त करेंगे। इसलिए हमे पृथ्वी और जीवन को बचाने के लिए ग्लोबल वार्मिंग को कम करने के लिये कुछ मुद्दो पर तेजी से काम करना होगा । इसकी प्राथमिकता जनसंख्या नियंत्रण, पेडो को अधिक लगाना, सोलर लाइट लगाना, एलीडी बल्ब का उपयोग, वाहनो मे पेट्रोलिअम ईधन का उपयोग न कर अक्षय उर्जा का उपयोग करना आदि शामिल है ।